शैक्षिक संक्षिप्त विवरण

1. पूरा नाम : **प्रोफेसर मृदुला जुगरान / पुत्री श्री अनन्तराम जुगरान**
2. जन्म स्थान : **जिला मुख्यालय पौड़ी**
3. शिक्षा : **एम0ए0, डी0फिल् (हिन्दी साहित्य)**
   (एम0ए0 स्वर्णपदक प्राप्त - 1979)
4. शैक्षिक विवरण :
   - **I.** हाईस्कूल - यू0पी0 बोर्ड - **प्रथम श्रेणी**
   - **II.** इन्टरमीडिएट - यू0पी0 बोर्ड - **प्रथम श्रेणी**
   - **III.** बी0ए0 - गढवाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (गढवाल) - **प्रथम श्रेणी**
   - **IV.** एम0ए0 (हिन्दी) - गढवाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (गढवाल) - **प्रथम श्रेणी** एवं विश्वविद्यालय के सफलतम छात्रों के मध्य वरीयता क्रम से सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त कर **विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षान्त समारोह में स्वर्णपदक हासिल किया।**
5. डी0फिल् (पीएच-डी0) - **"जायसीतर हिन्दी सूफी कवियों की बिम्ब योजना"** पर वर्ष 1987 में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्तकर्ती
6. गढवाल विश्वविद्यालय में नियुक्ति - **24 जनवरी 1980 (असिस्टेंट प्रोफेसर)**
7. रीडर पद पर नियुक्ति - **वर्ष 1991 (सीधी भर्ती द्वारा)**
8. प्रोफेसर पद पर नियुक्ति - **वर्ष 2004 (19 वर्ष का अनुभव)**
9. **वर्तमान पद** - **डीन : कला, संचार एवं भाषा संकाय**
   संयोजक एवं विभागाध्यक्ष हिन्दी (हे0न0ब0ग0वि0वि0)
10. शैक्षणिक अध्यापन का अनुभव :
    - **I.** स्नातक/यू.जी. कक्षाओं को पढ़ाने का - **44 वर्ष**
    - **II.** परास्नातक/पी.जी. कक्षाओं को पढ़ाने का - **44 वर्ष**
    - **III.** शोध-निर्देशन का अनुभव - **लगभग 37 वर्ष**
11. **विशेषज्ञता (अध्यापन क्षेत्र) -**
    सूफी काव्य, भक्ति काव्य, भारतीय काव्यशास्त्र,
    आधुनिक काव्य, (छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद)

12. निर्देशन में डॉक्टरेट (पीएच-डी0) उपाधि धारकों की संख्या - 26

शोध निर्देशन के क्षेत्र और विषय :

क्र0सं0	विषय	पीएच–डी0 उपाधि वर्ष	नाम
1	समकालीन युगबोध और डॉ0 श्याम सिंह शशि का साहित्य	1992	डॉ0 कुसुमलता चमोली
2	शान्ता कुमार व्यक्तित्व और कृतित्व	1993	डॉ0 सुषमा विज
3	नरेन्द्र कोहली के उपन्यासों में मिथक चेतना	1997	डॉ0 शशिबाला
4	स्वातंत्र्योत्तर प्रमुख महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में सामाजिक चेतना और रचना–विधान	2000	डॉ0 गुड्डी बिष्ट
5	अज्ञेय के कथा साहित्य में नारी चेतना	2002	डॉ0 पंकज दत्त कौशिक
6	आधुनिकता बोध और सुरेन्द्र वर्मा का साहित्य	2002	डॉ0 गीता कपरवान
7	गढवाल के हिंदी उपन्यासकारों के उपन्यासों का सांस्कृतिक अध्ययन	2002	डॉ0 नीलम ध्यानी
8	रामधारी सिंह दिनकर के काव्य में मिथकीय चेतना	2005	डॉ0 शोभा रावत
9	गढ़वाली नैण गीतों की लोक प्रज्ञा का अध्ययन	2005	डॉ0 प्रीतम सिंह
10	स्वतंत्रता परिवर्ती हिंदी की प्रमुख महिला उपन्यासकारों के उपन्यासों में आधुनिकता बोध के संदर्भ में नारी जीवन	2008	डॉ0 दीपा रौतेला
11	छायावादी कविता पर संत काव्य चेतना का प्रभाव	2010	डॉ0 नर्मदा
12	अस्तित्ववाद के परिप्रेक्ष्य में प्रयोगवादी काव्य का मूल्यांकन	2009	डॉ0 दीपा पंत
13	हिंदी के प्रयोगशील उपन्यास	2010	डॉ0 मधु शर्मा
14	भक्तिकालीन हिंदी संतकाव्य में नैतिकता का स्वरूप	2010	डॉ0 रादेश
15	हरीश नवल के व्यंग्य साहित्य में सामाजिक चेतना के विविध आयाम	2011	डॉ0 विवेक गौतम
16	प्रमुख गढ़वाली कवियों के काव्य में बिम्ब योजना	2012	डॉ0 गणेशी चौहान
17	आत्मवाद के परिप्रेक्ष्य में संतकाव्य एवं छायावादी काव्य का समीक्षात्मक अध्ययन	2014	डॉ0 अशोक दत्त नौटियाल
18	जीवनमूल्यों के संदर्भ में नरेश मेहता के कथा साहित्य का मूल्यांकन	2015	डॉ0 प्रियंका घिल्डियाल

19	नारी चेतना के आलोक में मैथिलीशरण गुप्त के काव्य का मिथकीय अध्ययन	2016	डॉ0 गरिमा डिमरी
20	गोस्वामी तुलसीदास के काव्य में मूल्यों की अभिव्यक्ति	2016	डॉ0 प्रदीप जुगरान
21	हिंदी में अनूदित तसलीमा नसरीन के साहित्य में स्त्री–विमर्श	2017	डॉ0 सरिता चौहान
22	हरिवंशराय बच्चन के काव्य का समग्र अनुशीलन	2019	डॉ0 शीला बिष्ट
23	प्रमुख छायावादोत्तर काव्यों में मिथक चेतना (प्रगतिवाद एवं प्रयोगवाद के सन्दर्भ में)	2019	डॉ0 प्रियंका भट्ट
24	छायावादी कविता में प्रकृति एवं हिमालयी चेतना	2020	डॉ0 गौरीश नंदिनी काला
25	हिन्दी की दलित आलोचना में अम्बेडकरवादी आलोचना का योगदान	2021	डॉ0 धमेन्द्र कुमार
26	हिन्दी के आधुनिक प्रमुख काव्यों में युद्ध और शान्ति के सन्दर्भ (द्विवेदी युग से प्रयोगवाद तक)	2022	डॉ0 आरती देवराड़ी

13. निर्देशन में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर लघुशोध करने वाले छात्र -

लगभग 50 से अधिक

14. प्रकाशित पुस्तकें : 06

I. जायसीतर हिन्दी सूफी कवियों की बिम्ब योजना

II. छायावादी काव्य : कुछ आधुनिक संदर्भ

III. अर्वाचीन हिंदी काव्य (सम्पादन)

IV. प्रवाह (काव्य संग्रह)

V. मैं नंदा अब बोल पड़ी (काव्य संग्रह)

VI. हिंदी गढ़वाली अध्येता शब्द कोश निर्माण - केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा के संरक्षण में

VII. आकाश गंगा (प्रकाशनाधीन)

15. प्रकाशित शोध पत्र - हिन्दी की श्रेष्ठ पत्र-पत्रिकाओं में महत्वपूर्ण विषयी शोध पत्र प्रकाशित।

महत्वपूर्ण शोध–पत्र :

क्र0सं0	शोध–पत्र	पत्रिका	वर्ष
1	गढवाली नैणगीतों की पर्यावरणीय योजना	हिमालयन जर्नल ऑफ सोशल साइंसेसज एण्ड ह्यूमैनीटिज	2006
2	गढ़वाली नैणगीतों का साहित्यिक महत्व	विचार	2009
3	गढ़वाल की शौर्य परंपराओं में वीरगाथाओं की भूमिका	विचार	2009
4	कविता में निराला	विचार	2008
5	नारी और आधुनकिता बोध : दशा दिशा	विचार	2007
6	उत्तराखण्ड में जात परंपरा	लोकगंगा	2007
7	संतकाव्य एवं छायावादी काव्य में भावानुभूतिगत साम्य	साहित्य प्रभा	2015
8	साहित्य में नारी की सामाजिक स्थिति	राधाकमल मुकर्जी : चिंतन परंपरा	2000
9	पंत का काव्य संसार : कुछ विचारणीय सवाल	आजकल, प्रकाशन विभाग सूचना और प्रसारण मंत्रालय नई दिल्ली	2002
10	नारी विमर्श की पुरोधा : महादेवी वर्मा	आजकल, प्रकाशन विभाग सूचना और प्रसारण मंत्रालय नई दिल्ली	2001
11	हिन्दी का छायावादी काव्य : भीतरी आनंद की तलाश	विश्वभारती पत्रिका, हिंदी भवन शांति निकेतन पश्चिम बंगाल	2000
12	पंत की कविता से उठते हुए सवाल	हिंदी अनुशीलन, भारतीय हिंदी परिषद इलाहाबाद	2000
13	दिनकर : मिथक के आईने में बिम्बित सामाजिक सरोकार	विचार, लखनऊ	2010
14	प्रमुख महिला उपन्यासकारों के बहाने हिंदी साहित्य : एक पड़ताल	शोध दिशा, बिजनौर	2012
15	अस्तित्ववाद के आलोक में प्रयोगवाद	शोध दिशा, बिजनौर	2012
16	कामायनी में आत्मवादी चिंतन	विचार, लखनऊ	2013
17	गढ़वाली एक तुलनात्मक भाषा शास्त्रीय अध्ययन	नवल पत्रिका, हल्द्वानी	2013
18	कामायनी में हिमालयी पर्यावरणीय चेतना	शोध दिशा, बिजनौर	2013
19	मानव मुक्ति का काव्य पंत की चिदम्बरा	नव निकष, कानपुर	2014

20	छायावाद के आईने में चंद्रकुंवर बर्त्वाल	उत्तरांचल पत्रिका, दिल्ली।	2014
21	छायावादोत्तर काव्य में राष्ट्रीय चेतना	हिमालयी परिदृश्य	2015
22	मिथक के आईने में दिनकर की रश्मिरथी	साहित्य प्रभा	2017
23	मैथिलीशरण गुप्त के साहित्य में राष्ट्रीय विचारधारा	ईक्षा	2017
24	**पुस्तकीय आलेख –** कार्तिकेय की कविता का समुद्र : सौन्दर्य और प्रासंगिकता पुस्तक – कवि महेन्द्र कार्तिकेय : रचनाधर्मिता और चिंतन संपादन प्रो0 हरिमोहन		
25	**पुस्तकीय आलेख –** राष्ट्रीय एकता में संतमत की भूमिका	साधर्म्यम पब्लिकेशन, उत्तराखंड, श्रीनगर गढ़वाल	
26	**पुस्तकीय आलेख –** वर्तमान परिप्रेक्ष्य में संत साहित्य की प्रासंगिकता कोराना संकटकाल में संत काव्य की प्रासंगिकता (गोस्वामी तुलसीदास के संदर्भ में)	बलदेव वंशी प्रकाशन संस्थान, दयानंद मार्ग, नई दिल्ली।	2021

16. सम्मान –

अलकनंदा साहित्य शिरोमणि सम्मान 2006 (दिल्ली द्वारा)

राष्ट्रीय मानव सेवा सम्मान, 2007 (उद्भव साहित्यिक संस्था दिल्ली द्वारा)

17. लभगग 30 सेमीनार, वेबीनार एवं कार्यशालाओं में सहभागिता।

18. विश्वविद्यालय के शैक्षिक निकायों में सहभागिता -

सदस्य एवं कार्यक्रम अधिकारी

- छात्र कल्याण
- नियन्ता बोर्ड
- एन.एस.एस.
- परीक्षा समिति
- सदस्य, अध्ययन समिति (बी.ओ.एस.)
- सदस्य, विद्या परिषद् गढवाल विश्वविद्यालय
- सदस्य, कार्य परिषद् गढवाल विश्वविद्यालय

19. अन्य विश्वविद्यालयों का शैक्षिक कार्यानुभव, चयन समितियों में विषय विशेषज्ञ, परीक्षकत्व एवं अध्ययन समिति सदस्य :

- दिल्ली विश्वविद्यालय
- बुन्देलखंड विश्वविद्यालय
- कानपुर विश्वविद्यालय
- रूहेलखंड विश्वविद्यालय
- गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय
- उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
- देव संस्कृति विश्वविद्यालय, गायत्री कुंज, हरिद्वार
- श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय
- गुरु राम राय विश्वविद्यालय
- उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी
- महर्षि टंडन दास मुक्त विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
- केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
- लोकसेवा आयोग, उत्तराखंड
- कुमायूँ विश्वविद्यालय, नैनीताल
- सदस्य, उत्तराखंड भाषा संस्थान

20. वर्तमान में संकायाध्यक्ष/डीन एवं संयोजक/विभागाध्यक्ष के दायित्वों के साथ हिन्दी विभाग में गुणवत्तापरक शोध कार्यों के लिए सतत् प्रयत्नशील।

प्रो0 मृदुला जुगरान
डीन : कला, संचार एवं भाषा
संयोजक एवं अध्यक्ष, हिन्दी-विभाग
हे0न0ब0 गढ़वाल (केन्द्रीय) विश्वविद्यालय,
श्रीनगर (गढ़वाल)
मो० - 9634544789
मेल - prof.mridulajugran@gmail.com

दिनांक :- 01/03/2023